दैनिक भास्कर सिरोही 23-07-2021

सिरोही भास्क

पाली | शुक्रवार, 23 जुलाई, 2021 पिंडवाड़ा • तंवरी • जावाल कालंद्री • पोसालिया • गोयली

अच्छी खबर • आदिवासी स्वास्थ्य और अनुसंधान के लिए आबूरोड बनेगा देश का रोल मॉडल, जोधपुर एम्स ने टीएडी से किया एमओयू

आदिवासी क्षेत्र के ग्रामीणों को जोधपुर एम्स के डॉक्टर देंगे परामर्श, बीमारियों पर रिसर्च भी करेंगे

भास्कर न्यूज | सिरोही/आबूरोड

आदिवासियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा देने और इनमें होने वाली बीमारियों पर रिसर्च के लिए आबूरोड के दानवाव जनजाति विभाग सामुदायिक भवन में जनजातीय स्वास्थ्य उत्कृष्ट केंद्र खुलेगा। इसके लिए टीएडी अधिकारियों के साथ जोधपुर एम्स की टीम ने गुरुवार को दानवाव सामुदायिक भवन का जायजा लेकर टीएडी के साथ एमओयू किया। एम्स जोधपुर संभवतः देश का पहला एम्स है, जिसने सिरोही जिले के दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों के आदिवासियों तक पहुंचने और आदिवासी बहुल सामुदायिक स्वास्थ्य में टेली-परामर्श सेवाएं शुरू करने की पहल की है। जोधपुर से करीब 250 किलोमीटर दूर आबूरोड में जनजातीय स्वास्थ्य का उत्कृष्ट केंद्र स्थापित किया जाएगा। एम्स जोधपुर स्वदेशी स्वास्थ्य के लिए एक सहयोगी केंद्र जनजातीय मामलों के मंत्रालय भारत सरकार के तहत टेलीमेडिसिन सेवाएं शुरू करने जा रहा है। इससे क्षेत्र के आदिवासियों को देश के सबसे उच्च चिकित्सा संस्थान एम्स से चिकित्सीय परामर्श चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी।

एसटीएचआर की अनूठी पहल : तीन विभागों के बीच हुआ एमओयू, सेंटर पर ही रिसर्च भी होगा

आदिवासी स्वास्थ्य और अनुसंधान के लिए सेटेलाइट सेंटर एसटीएचआर की अनूठी पहल जनजातीय स्वास्थ्य का उत्कृष्ट केंद्र (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर ट्राइबल हेल्थ) एम्स जोधपुर ने जनजातीय लोगों के स्वास्थ्य और स्वास्थ्य संबं अनुसंधान के लिए जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार जनजतीय क्षेत्रीय विकास विभाग राजस्थान सरकार एवं माणिक्य लाल वर्मा आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान उदयपुर के सहयोग से जनजातीय भवन आबूरोड में सेटेलाइट सेंटर फॉर ट्राइबल हेल्थ एंड रिसर्च को स्थापित करने के लिए गुरुवार को एमओयू पर हस्ताक्षर किए। यह एमओयू एम्स जोधपुर एवं जनजतीय क्षेत्र विकास विभाग राजस्थान सरकार एवं माणिक्य लाल वर्मा आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान उदयपुर राजस्थान के बीच किया गया। इस मौके जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार के जॉइंट सेक्रेटरी डॉ. नवलजीत कपूर, एम्स जोधपुर के डायरेक्टर डॉ. संजीव मिश्रा, जनजतीय क्षेत्रीय विकास विभाग राजस्थान सरकार के एडिशनल कमिश्नर वीसी गर्ग एवं गोविंद सिंह राणावत, आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान उदयपुर के डायरेक्टर माणिक्य लाल वर्मा, एम्स जोधपुर के डिप्टी डायरेक्टर एनआर बिश्नोई, संकायाध्यक्ष शैक्षिक डॉ. कुलदीप सिंह, कंट्रोलर ऑफ एग्जामिनेशन डॉ. अभिनव दीक्षित, वाइस डीन शैक्षिक डॉ. शिल्पी गुप्ता दीक्षित, माउंट आबू एसडीएम अभिषेक सुराणा, टीएडी डिप्टी डायरेक्टर सुमन सोनल की मौजूदगी में यह एमओयू हुआ।

आबूरोड. दानवाव स्थित इसी जनजाति भवन में ग्रामीणों को टेलीमेडिसन की सुविधा मिलेगी।

आबूरोड. जनजातीय स्वास्थ्य का उत्कृष्ट केंद्र बनाने के लिए एम्स ने एमओयू किया।

स्पेशिएलिटी और सुपर-स्पेशिएलिटी की मिलेगी सुविधा, पोर्टल से भी जोड़ेंगे

एम्स की ओर से इस केंद्र पर सभी स्पेशिएलिटी और सुपर-स्पेशिएलिटी डिपार्टमेंट के टेलीकंसल्टेशन की सुविधा दी जाएगी। इसमें सामान्य चिकित्सा, बाल रोग, प्रसूति एवं स्त्रीरोग, शल्य चिकित्सा, चर्म रोग, मनोचिकित्सा आदि जैसे विभागों और एंडोक्राइनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म, कार्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी आदि जैसे सुपर-स्पेशियलिटी में साक्ष्य आधारित केयर एंव देखभाल में मदद करेगा। रोगी के रिकॉर्ड को एम्स जोधपुर के अस्पताल सूचना प्रणाली पर एक समर्पित जनजातीय सिरोही पोर्टल से जोड़ा जाएगा। आने वाले समय में यह केंद्र जनजातीय स्वास्थ्य एवं अनुसंधान का एक जन उपयोगी केंद्र होगा। जनजातीय लोगों में सिकल सेल एनीमिया, तपेदिक, सिलिकोसिस जैसी विशेष समस्याओं के लिए दीर्घकालिक अनुसंधान की आवश्यकता है। सामुदायिक अनुसंधान आदि के माध्यम से जनजातीय सामुदायिक विकास के लिए एसटीएचआर एक बहुत ही उपयोगी मॉडल होगा।

दिनदहाड़े हनुमान मंदिर के दानपात्र

13 सीआई व 14 एसआई का तब